

14.8.21 अधिवक्ता वादीगण रुपं । प्रतिवादीगण के अधिवक्ता  
 उपस्थित । अधिवक्ता वादीगण ने प्रापण " काल  
 सुमास " ( वाक्य दोन मूल्य प्रतिवादी से. 4 ) पेश  
 फान हेतु अकार या हा / व ह क प्रापण हर दो हे तु  
 अकार या हा । अधिवक्ता वादी के नकार प्रापण  
 " वाक्य दोन अके डाका " हेतु भी अकार या हा  
 अधिवक्ता वादीगण ने अति एक प्रापण आ का पेश  
 22 किमान 4 व 10 लपठित यादा 151 CPL व  
 प्रापण इका 5 किमा 3 अधिमिमन पेश किम  
 नमत डिमा 3 व 3 नकार प्रापण हेतु अकार  
 या हा कापदा नकार प्रापण का व रूप न अप

अपर जिला न्यायाधीश संख्या - 1  
 हुंहुं

तारीख  
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नघर  
अहकाप  
हुक्म की  
में जा

से येथे हो / पुढील मा. २५८ के लक्षित  
उकाजे की लक्षित से उ.के. ५५ पर धर ही  
पशाकाली वास्तु पेशा होके गवाक डा.पडा  
अ.आ. २२ किपक प व १० + १५१ CPC  
व इकाउ मिमाडु अधिमिक, व एन डा.पडा  
ए.डी. (१) ०७ २११ CPC डिनांकित १८.११.२१  
०७ २११ CPC डिनांकित १०.८.२१ व गवाक  
डा.पडा "वास्तु होके डा.पडा अ.के. २" (डिनांकित  
डा.प.२५) डिनांक २१.८.२१ को येथे हो

२०  
भपर जिला न्यायाधीश सख्या - १  
इसतु